भोपाल, सोमवार
30
जून-2025

दैनिक
पीपुल्स प्रवक्ता

भोपाल, ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित

/Peoplespravakta

E-paper www.peoplespravakta.com | वर्ष: 09 | अंक : 77 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 02 रुपए | E-mail Peoplespravakta@gmail.com

सुविचार
निंदा से घबराकर लक्ष्य को ना छोड़ें क्योंकि लक्ष्य मिलते ही निंदा करने वालों की राय बदल जाती है..!

न्यूज ब्रीफ

हम हिंदी का विरोध नहीं करते, सिर्फ उसे थोपे जाने के खिलाफ हैं : उद्धव ठाकरे

मुंबई। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी हिंदी का विरोध नहीं करती, बल्कि इसे ''थोपे जाने'' के खिलाफ है। दक्षिण मुंबई में एक विरोध-प्रदर्शन के बाद पत्रकारों से बात करते हुए ठाकरे ने यह बात कही। इस विरोध-प्रदर्शन के दौरान 17 जून के उस सरकारी आदेश की प्रतियां जलाई गईं, जिसमें स्कूलों के लिए तीन नीति संबंधी निर्देश जारी किया गया था। शिवसेना (उबाठा) ने पूरे राज्य में इसी तरह के विरोध प्रदर्शन किए। ठाकरे ने कहा, ''हमने सरकारी आदेश की प्रतियां जलाई हैं, जिसका मतलब है कि हम इसे स्वीकार नहीं करते। हम हिंदी का विरोध नहीं करते, लेकिन हम इसे थोपे जाने की अनुमति नहीं देंगे। मराठी के साथ अन्याय हुआ है। सवाल यह है कि आप छात्रों पर कितना दबाव डालने जा रहे हैं।

सोलन में भारी बारिश, भूस्खलन से शिमला-कालका रेल मार्ग बाधित

शिमला। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में शनिवार रात हुई भारी बारिश के कारण भूस्खलन की घटनाओं और पेड़ गिरने के चलते शिमला-कालका रेल मार्ग पर ट्रेन सेवाएं रविवार को बाधित हो गईं। इतना ही नहीं राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन के चलते यातायात कई घंटों तक अवरूद्ध रहा। वहीं, सोलन के बरोटीवाला औद्योगिक क्षेत्र में एक पुल बह गया। पुलिस अधीक्षक (एसपी) गौरव सिंह ने बताया कि शिमला-चंडीगढ़ को जोड़ने वाले शिमला-कालका राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोटी के पास भूस्खलन होने के कारण सड़क के कुछ हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे दो से तीन किलोमीटर लंबा जाम लग गया। हालांकि, चक्कीमोड़ के पास दोनों ओर से यातायात बहाल कर दिया गया है। जंगेशु मार्ग पर भी मलबा गिरने से वैकल्पिक रास्ता बंद है, जिसे साफ किया जा रहा है। शिमला-कालका यूनेस्को विश्व धरोहर रेल मार्ग पर कोटी क्षेत्र के पास पटरियों पर चट्टानें और पेड़ गिर गए, जिससे ट्रेन सेवाएं बाधित हो गईं। अधिकारी मरम्मत कार्य में जुटे हुए हैं। सुबह आने वाली पहली ट्रेन कोटी स्टेशन पर फंसी हुई है। अन्य ट्रेनें गुम्मान और कालका स्टेशनों पर रोकी गई हैं। सोलन के बड़ोटीवाला औद्योगिक क्षेत्र में ट्रक यूनियन के पास स्थित हमुड़ा कॉम्प्लेक्स को जोड़ने वाले मार्ग पर एक पुल बह गया है, जिससे मंधाला और बग्गूवाला की ओर जाने वाली सड़क पर यातायात रूक गया है।

दिल्ली में कोरोना से दो की मौत, अबतक 21 लोगों ने तोड़ा दम

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना से दो बुजुर्गों ने दम तोड़ दिया। दोनों पहले से अस्पताल में दूसरी बीमारी का इलाज करवा रहे थे। इलाज के दौरान संक्रमण होने से स्थिति गंभीर हुई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, दिल्ली में शनिवार को 73 वर्षीय पुरुष ने दम तोड़ा। वह पहले से मेटास्टेटिक लंग कार्सिनोमा, एक्यूट रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम, बी/एल निमोनिया, उच्च रक्तचाप से पीड़ित थे। वहीं दूसरा मरीज 76 वर्षीय पुरुष था। उन्हें पहले से सेप्टिक शॉक के साथ सेप्टिसीमिया, मल्टीपल ऑर्गन डिसफंक्शन सिंड्रोम, गंभीर निमोनिया, डीएम, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग की समस्या थी। इलाज के दौरान दोनों को कोरोना का संक्रमण हुआ और स्थिति गंभीर होने पर दोनों ने दम तोड़ दिया। डाटा के अनुसार दिल्ली में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या 267 हैं। इनमें से शनिवार को 44 नए मरीज मिले। दिल्ली में एक जनवरी से अभी तक कोरोना के 3533 मरीज ठीक हो चुके हैं। इनमें से 59 मरीज शनिवार को ठीक हुए। दिल्ली में कोरोना से अभी तक 21 मरीज दम तोड़ चुके हैं। डॉक्टरों का कहना है कि पिछले कुछ समय से दिल्ली में कोरोना के मरीज तेजी से ठीक हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश में निवेश अवसरों पर सूरत (गुजरात) में इन्टरैक्टिव सेशन को किया संबोधित

अहमदाबाद में स्थापित होगा मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम का कार्यालय : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- सूरत इंटरेक्टिव सेशन में 15,710 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव हुए प्राप्त
- 11 हजार से अधिक रोजगार का होगा सृजन
- उद्योग-व्यापार संचालन के लिए प्रक्रियाओं में सरलता,पारदर्शिता, निष्पक्षता और समय सीमा के पालन के लिए राज्य सरकारप्रतिबद्ध
- मध्यप्रदेश भारी उद्योग, एमएसएमई और कुटीर उद्योगों में तेजी से बढ़ रहा है आगे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने तथा प्रदेश में निवेश प्रक्रिया को अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम का एक कार्यालय अहमदाबाद में आरंभ किया जाएगा। मध्यप्रदेश में निवेश आकर्षित करने की पहल सूरत में रंग लाई जहां निवेशकों से 15,710 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव हुए हैं। इन प्रस्तावों के फलीभूत होने पर 11,250 से अधिक लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। औद्योगिक तथा व्यापार गतिविधियों को विस्तार देने के लिए प्रक्रियाओं में सरलता, सुगमता, निष्पक्षता, पारदर्शिता और समय सीमा का पालन महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार इन सभी बिंदुओं के साथ प्रदेश में पूर्ण प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मनाते हुए प्रदेश भारी उद्योग, एमएसएमई सहित लघु और कुटीर उद्योगों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सूरत ऐतिहासिक रूप से देश- दुनिया में उद्योग और व्यापार का प्रमुख केंद्र रहा है। प्रदेश में निवेश और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के उद्देश्य से औद्योगिक समूहों से जुड़ाव बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा यह इन्टरैक्टिव सेशन आयोजित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों पर होटल मेरियट सूरत में आयोजित इन्टरैक्टिव सेशन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन में राज्य के औद्योगिक विकास के दीर्घकालिक दृष्टिकोण, अधोसंरचना विस्तार और निवेशकों के लिए बनाए गए भरोसेमंद वातावरण पर प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के भौगोलिक विस्तार, औद्योगिक क्षमताओं, अधोसंरचना और नीतिगत नवाचारों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश की 39 प्रतिशत कृषि विकास दर, विभिन्न उद्योगों के लिए आवश्यक स्किलस से युक्त मानव संसाधन और पर्याप्त खनिज उपलब्धता राज्य को सभी सेक्टर्स के लिए उपयुक्त बनाते हैं। प्रदेश में वस्त्र उद्योग, फार्मास्युटिकल, स्वास्थ्य,पर्यटन सहित सभी क्षेत्रों में विस्तार की पर्याप्त संभावना है। हमारी सरकार ने संकल्प लिया है कि सब्सिडी डीबीटी के माध्यम से सीधे संबंधित के बैंक खाते में पहुंचनी चाहिए। सरकार ने छोटे और बड़े सभी कारोबारियों को उनके हक का एक-एक रुपया भेजने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुजरात भारत ही नहीं दुनिया में सिरमौर है। उन्होंने महात्मा गांधी और सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत कुछ ही वर्षों में विश्व के अग्रणी राष्ट्रों में शामिल हुआ है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत आज सुरक्षित और समृद्ध है। अयोध्या में बना भव्य श्रीराम मंदिर, महाकाल महालोक और वाराणसी का बदला स्वरूप प्रधानमंत्री श्री मोदी की आभा का विस्तार कर रहा है। गुजरात ने ही देश को सरदार वल्लभ भाई पटेल और श्री अमित शाह जैसे विलक्षण गृह मंत्री दिए हैं।

शानदार ईको-सिटम और निवेश फ्रेंडली वातावरण युक्त आदर्श स्थल है मध्यप्रदेश

औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के प्रमुख सचिव श्री राघवेन्द्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश में निवेश संवर्धन के लिए देश विदेश में कई कार्यक्रम किये गए है और अभी तक लगभग 1 लाख किलोमीटर की यात्रा की गई है। देश के केंद्र में मध्यप्रदेश स्थित सबसे खूबसूरत और संभावनाओं से परिपूर्ण राज्य है, जो हर प्रकार के उद्योग के लिए उपयुक्त ईको-सिस्टम उपलब्ध कराता है। राज्य में 1 लाख एकड़ से अधिक लैंड बैंक, 340 से अधिक इंडस्ट्रियल पार्क और हर सेक्टर के लिए विशेषीकृत क्लस्टर विकसित किए गए हैं जिनमें आईटी पार्क, फूड प्रोसेसिंग, गारमेंट्स, प्लास्टिक, टेक्सटाइल और फार्मा पार्क शामिल हैं। यहाँ की इंडस्ट्रियल पॉलिसी और लॉजिस्टिक नेटवर्क देश में सर्वश्रेष्ठ हैं, जिससे न केवल मैन्युफैक्चरिंग बल्कि निर्यात के लिए भी मजबूत आधार प्राप्त होता है। राज्य की एमएसएमई नीति और लॉजिस्टिक्स पॉलिसी ने उद्यमिता को नई गति दी है। नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एक्सप्रेस-वे कनेक्टिविटी, 1000 मिलियन क्यूबिक मीटर जल आपूर्ति क्षमता, निर्बाध पॉवर की सप्लाई और 10 से 40 प्रतिशत तक की सब्सिडी राज्य को निवेशकों के लिए आकर्षक बनाती है।

देश में 95 करोड़ लोगों को मिल रहा सामाजिक सुरक्षा का लाभ : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि देश में 95 करोड़ लोग सामाजिक सुरक्षा का लाभ ले रहे हैं, जबकि साल 2015 में यह आंकड़ा 25 करोड़ ही था। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 129वें एपिसोड को संबोधित किया। इसी में पीएम मोदी ने 95 करोड़ लोगों के सामाजिक सुरक्षा के दायरे में होने की बात कही।

आईएलओ की रिपोर्ट का दिया हवाला

प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें बताया गया है कि भारत की 64 प्रतिशत आबादी किसी न किसी सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ ले रही है। प्रधानमंत्री ने कहा हाल ही में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन आईएलओ की रिपोर्ट आई है, जिसमें बताया गया है कि भारत की 64 प्रतिशत से ज्यादा आबादी को अब कोई न कोई सामाजिक सुरक्षा लाभ मिल रहा है। आज देश के 95 करोड़ लोग किसी न किसी सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ ले रहे हैं। साल 2015 तक ये आंकड़ा 25 करोड़ था। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दुनिया में सामाजिक सुरक्षा का सबसे बड़ा दायरा है।

हर कदम के साथ मजबूत होगा भारत

प्रधानमंत्री ने कहा कि सामाजिक न्याय की भी यह अच्छी तस्वीर है। ये सफलता इस विश्वास से आई है कि आने वाला समय और भी अच्छा होगा। भारत हर कदम के साथ मजबूत होगा। प्रधानमंत्री ने देश की एक और उपलब्धि की तारीफ की और कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत को ट्राकोमा मुक्त घोषित किया है। पीएम मोदी ने कहा कि यह देश के स्वास्थ्य कर्मियों की सफलता है। ट्राकोमा एक बेहद संक्रमणकारी बीमारी है। प्रधानमंत्री ने कैलाश मानसरोवर और अमरनाथ आदि तीर्थ यात्राओं को लेकर कहा कि जब कोई तीर्थयात्रा पर निकलता है, तो एक ही भाव सबसे पहले मन में आता है, चलो, बुलावा आया है। यही भाव हमारे धार्मिक यात्राओं की आत्मा है। ये यात्राएं शरीर के अनुशासन का, मन की शुद्धि का, आपसी प्रेम और भाईचारे का, प्रभु से जुड़ने का माध्यम हैं। इनके अलावा, इन यात्राओं का एक और बड़ा पक्ष होता है। ये धार्मिक यात्राएं सेवा के अवसरों का एक महाअभियान भी होती हैं। जब कोई भी यात्रा होती है तो जितने लोग यात्रा पर जाते हैं, उससे ज्यादा लोग तीर्थयात्रियों की सेवा के काम में जुटते हैं। अभी कुछ दिन पहले हमने भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा भी देखी है।ओडिशा हो, गुजरात हो, या देश का कोई और कोना, लाखों श्रद्धालु इस यात्रा में शामिल होते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के 52 दिन बाद भी सवाल उठा रहे राहुल

गृह मंत्री अमित शाह ने लिया आड़े हाथ

नजामाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को तेलंगाना दौरे के दौरान कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर करारा हमला बोला है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, जब भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए दुश्मनों को करारा जवाब दिया, तब भी राहुल गांधी सवाल उठाते रहे। यह हमारे जवानों के बलिदान का अपमान है। उन्होंने आगे कहा कि सुरक्षा बलों के पराक्रम पर सवाल उठाना देश की सुरक्षा नीति को कमजोर करने जैसा है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारतीय सेना ने सात मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह किया था। जिसमें कई कुख्यात आतंकी भी मारे गए थे। इसके बाद दोनों देशों के बीच हालात बिगड़े और दो दशक बाद चरम पर पहुंच गए। वहीं पाकिस्तान की तरफ से भारत के शहरों को निशाना बनाए जाने के बाद, भारत की वायु रक्षा प्रणाली ने सभी को नाकाम करते हुए उसका माकूल जवाब दिया। भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के 14 सैन्य ठिकानों को ध्वस्त कर दिए। इससे घबराए पाकिस्तान ने भारत के सामने घुटने टेकते हुए सीजफायर का प्रस्ताव रखा, जिसे दोनों देशों ने आपसी चर्चा के बाद लागू किया। इस दौरान उन्होंने नक्सलवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े अहम मुद्दों पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा, हमारी नीति बिल्कुल स्पष्ट है जो हथियार लेकर चल रहे हैं।

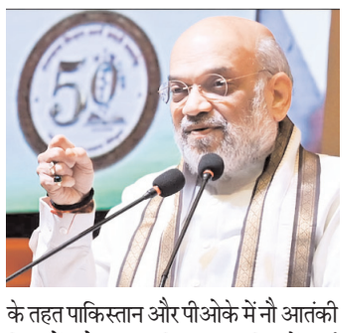

दो बसों की टक्कर के बाद लगी आग, 37 लोगों की मौत, 30 घायल

दार अस सलाम। उत्तरी तंजानिया में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। जहां एक भीषण सड़क हादसे में कम से कम 37 लोगों की मौत हो गई और 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए। ये हादसा शनिवार शाम किलीमंजारो क्षेत्र के मोशी-टांगा हाईवे पर सबसबा इलाके में हुआ, जब दो बसें आपस में टकरा गई और देखते ही देखते उनमें आग लग गई। इस हादसे के मारे गए लोगों की पहचान और राष्ट्रीयता की जानकारी अभी सामने नहीं आई है। वहीं घायलों का इलाज स्थानीय अस्पतालों में चल रहा है। हादसा के बाद देशभर में शोक की लहर दौड़ उठी। तंजानिया की राष्ट्रपति सामिया सुहुलु हसन ने इस दर्दनाक हादसे पर गहरा शोक जताया है। उन्होंने कहा कि मैं किलीमंजारो क्षेत्रीय आयुक्त, पीड़ित परिवारों, रिश्तेदारों और मित्रों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। ईश्वर मृतकों की आत्मा को शांति दे और घायलों को जल्द स्वस्थ करें। राष्ट्रपति ने सड़क सुरक्षा नियमों को सख्ती से पालन करने की अपील की। साथ ही कहा कि ऐसे हादसे लगातार तंजानियाई परिवारों को झकझोरते हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, तंजानिया में सड़क हादसों में मौतों की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, बावजूद इसके कि सरकार ने सुरक्षा जागरूकता अभियान भी चलाए हैं।

भगदड | पुरी भगदड़ के बाद एक्शन में सरकार

अरविंद अग्रवाल और एडीजी एसके प्रियदर्शी को दी गई अहम जिम्मेदारी

पुरी। ओडिशा के पुरी में महाप्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान हुई भगदड़ में चीन लोगों की मौत और करीब 50 लोगों के घायल होने के बाद राज्य सरकार ने कड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री मोहन माझी ने इस हादसे को अक्षम्य लापरवाही बताया और पुरी के जिलाधिकारी सिद्धार्थ शंकर स्वैन और पुलिस अधीक्षक (एसपी) विनीत अग्रवाल को तुरंत हटा दिया है। इसके साथ ही दो वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों डीसीपी विष्णु पाटी और कमांडेंट अजय पाधी को निलंबित कर दिया गया है। वहीं सरकार ने पुरी के नए कलेक्टर के रूप में खोरधा जिले के कलेक्टर चंचल राणा को नियुक्त किया है। वहीं, नए पुरी एसपी के रूप में पिनाक मिश्रा को जिम्मेदारी दी गई है। हादसे की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री ने एक प्रशासनिक जांच के आदेश भी दिए हैं, जिसकी निगरानी विकास आयुक्त करेंगे।

वरिष्ठ अफसर को रथ यात्रा की जिम्मेदारी: इस बीच, ओडिशा सरकार ने एक और बड़ा फैसला लेते हुए वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अरविंद अग्रवाल को रथ यात्रा की समग्र निगरानी का प्रभार सौंपा है। उन्हें पहले भी रथ यात्रा आयोजन का अनुभव है। वे फिलहाल उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त-सह-सचिव और खेल एवं युवा मामलों के विभाग में विशेष सचिव के अतिरिक्त प्रभार में हैं। इस कड़ी में ओडिशा सरकार ने एडीजी एसके प्रियदर्शी को रथ यात्रा और संबंधित अनुष्ठानों के दौरान पुलिस व्यवस्था का समग्र प्रभार सौंपा है।

पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे का एलान

सरकार ने हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। सीएम ने विकास आयुक्त की देखरेख में विस्तृत प्रशासनिक जांच के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने सभी श्रद्धालुओं से इस घटना को लेकर क्षमा मांगी। उन्होंने कहा कि मैं और मेरी सरकार महाप्रभु जगन्नाथ के सभी भक्तों से क्षमा याचना करते हैं। जो श्रद्धालु इस हादसे में अपनी जान गंवा बैठे, उनके परिवारों के प्रति हमारी गहरी संवेदना है। हम प्रार्थना करते हैं कि भगवान उन्हें यह दुख सहने की शक्ति दें।

कैसे हादसा हुआ ?

यह घटना रविवार सुबह लगभग 4 बजे हुई जब श्री गुंडिचा मंदिर के पास भारी भीड़ जुटी थी। लोग भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की रथ यात्रा के दौरान पहुड़ा (चेहरे पर पड़ा कपड़ा) हटने की रस्म देखने के लिए पहुंचे थे। इस दौरान अचानक दो ट्रक, जो रथ यात्रा के लिए सामग्री ला रहे थे, भीड़ में घुस गए। इससे अफरा-तफरी मच गई और भगदड़ हो गई। बता दें कि, पुरी की रथ यात्रा ओडिशा की सबसे बड़ी धार्मिक परंपराओं में से एक है, जिसमें लाखों श्रद्धालु हर साल भाग लेते हैं।

सीएम नीतीश की पार्टी से एक और इस्तीफा, इस बार जनसुराज ने लगाई सेंध

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले दल बदल का सिलसिला जारी है। चौंकाने वाली बात यह है कि अब सीएम नीतीश कुमार की पार्टी में ही सेंधमारी हो गई है। यह सेंधमारी किसी और नहीं बल्कि चुनावी रणनीतिकार की पार्टी जनसुराज ने की है और जनता दल यूनाईटेड को एक बड़ा झटका दे दिया। बताया जा रहा रहा है कि जदयू के अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव धर्मेंद्र चौहान पार्टी से इस्तीफा दे दिया। वह जनसुराज पार्टी में शामिल हो चुकी हैं। पार्टी का दामन थाम लिया। राजनीतिक पंडितों के अनुसार, धर्मेंद्र चौहान पिछले 26 साल से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ रहे। उनकी पार्टी से जुड़े रहे। वह समता पार्टी के समय में ही सीएम नीतीश कुमार के साथ आए थे। इसके बाद जदयू बनी तो भी रहे। उन्होंने पार्टी के संगठनात्मक कार्यों और चुनावी रणनीतियों में अहम भूमिका निभाई है। नालंदा जिले के इस्लामपुर विधानसभा क्षेत्र स्थित कस्तूरी बिगहा गांव निवासी चौहान नोनिया-बिंद-

बेलदार समाज के प्रभावशाली नेता हैं। प्रशांत किशोर ने शनिवार को एकंगरसराय के सुखदेव अकादमी मैदान में उन्हें जन सुराज की सदस्यता दिलाई। पीके ने कहा कि कहा कि वह पिछले तीन वर्षों से गांव-गांव घूम रहे हैं और आज भी बिहार में बच्चों के पास पहनने को कपड़े और पैरों में चप्पल नहीं है। उन्होंने डबल इंजन सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि नेताओं को जनता के बच्चों की कोई चिंता नहीं है, इसलिए अब लोगों को खुद जागरूक होना होगा। उन्होंने कहा कि इस बार वोट लालू, नीतीश या मोदी के नाम पर नहीं, अपने बच्चों के भविष्य के लिए दीजिए।